क्रांतिकारी परिवर्तन के सूत्रधार हैं युवा - रणविजयसिंह

माउंट आबू, 3 अगस्त। छतीसगढ़ युवा आयोग अध्यक्ष राजा रणविजयसिंह ने कहा कि युवा में तन, मन दोनों शक्तियां होती हैं, इन शक्तियों को सकारात्मक व सृजनात्मक दिशा में उपयोग किया जाए तो राष्ट्र को देवभूमि बनाने में गौरव हासिल कर सकते हैं। वे संस्थान के ज्ञान सरोवर परिसर में युवा प्रभाग के तत्वावधान में परमात्म शक्ति से समाज के पुनर्निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर आयोजित युवा अखिल भारतीय सेमीनार के उदघाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि युवा शक्ति का प्रतीक है। युवा राष्ट्र के हर क्षेत्र में क्रांतिकार परिवर्तन के सूत्रधार हैं। कई महान विभूतियों ने युवाकाल में अपने साहस, आत्मविश्वास व बलिदान से देश को नई राह दिखाई है। धन से संपन्न व्यक्ति ऊंचा नहीं होता वरन चरित्र से संपन्न व्यक्ति ही सच्चे अर्थों में धनवान कहे जाने के योग्य होता है। संस्कृति से संर्कीणता को समाप्त कर लोगों में बंधुत्व की उदार भावना को स्थापित करने के लिए युवा पीढ़ी को आगे आना होगा।

ब्रह्माकुमारी संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका, युवा प्रभाग अध्यक्ष राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा है कि देश का सकारात्मक परिवर्तन करने में युवा अपनी अहम भूमिका अदा कर सकते हैं। युवा दृढ़तापूर्वक किसी भी क्षेत्र में खड़े हो जाएं तो सफलता सुनिश्चित है। आध्यात्मिक ऊर्जा से संपन्न, ऊंच चरित्र वाले युवा देश उत्थान में अपने कर्तव्यों का सही रूप से निर्वहन कर सकते हैं।

अहमदाबाद से आए समाजसेवी जयदेव सोनागरा ने कहा कि युवा यह न सोचे कि विरासत में उसे बड़ों से अच्छाई मिली है या बुराई। बल्कि वह अपनी शक्ति को सकारात्मक दिशा में लगाकर देश में एकता व सौहार्द लाने में प्रयासरत रहें।

प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके चन्द्रिका बहन ने कहा कि युवा नैतिकता व आध्यात्मिकता की मशाल लेकर राजयोग के माध्यम से अपने दिव्य अतंचक्षु को जागृत कर विश्व में सुख, शान्ति की स्थापना करने में प्रेरणास्त्रोत बन सकता है। सेमीनार को बीके गीता, सरोज, वीनू, कृति बहन ने भी विचार व्यक्त किए।